PRESS CLIPPINGS

Date: 16th Sep 2014

ICFAI University Jharkhand Inaugurated Robotics Centre

&

Conducted National Seminar on "Robotics : Application & Challenges"

प्रभात खबर
www.prabhatkhabar.com

इंजीनियर्स डे पर सेमिनार का आयोजन

इक्फाइ में रोबोटिक्स केंद्र की स्थापना

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

इक्फाइ विवि, झारखंड में 15 सितंबर को इंजीनियर्स डे के अवसर पर रोबोटिक्स एप्लिकेशन एवं चुनौतियां विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया. साथ ही विवि में रोबोटिक्स केंद्र की स्थापना की गयी. बी-टेक के चार विद्यार्थियों ने रोबोट डिजाइन किया, जिसने एम विश्वेश्वरैया की तसवीर पर फूल बरसाये. एसोसिएट डीन प्रो मदन प्रसाद ने कहा कि रोबोटिक बहु अनुशासनिक क्षेत्र है, जिसकी काफी क्षेत्रों में उपयोगिता है. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि रोबोटिक अगले दशक में बड़े पैमाने पर जीवन शैली को प्रभावित करेगा.

यह पांच डिजिटल बलों में से एक है. इससे कारखाना स्व चालन से लेकर अस्पतालों में सर्जरी, सुरक्षा और रक्षा तथा वाहन में मानव रहित सुरक्षा प्रदान करायी जा सकेगी. डॉ डीएन सोम ने कहा कि सीएमइआरआइ ने काफी रोबोटिक्स डिजाइन किये हैं, जो टाटा स्टील, न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन, भारतीय नेवी आदि के लिए उपयोगी हैं. आगे चल कर रोबोटिक्स खेती में बुजुर्गों और विकलांगों की देखभाल में तथा कम आक्रामक सर्जरी में काफी मदद करेगा.

सेमिनार में शामिल अतिथि और स्टूडेंट्स.

बीआइटी मेसरा के डॉ राजीव अग्रवाल ने बढ़ते हुए एप्लिकेशन जैसे इंटरनेट की उपलब्धता आदि पर रोबोटिक्स की उपयोगिता पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम में रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ एए खान, डॉ केके नाग ने कहा कि रोबोट प्रौद्योगिकी मानव जाति के लाभ के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए. इस मौके पर एके सक्सेना, डॉ आरपी शर्मा, डॉ बीएम सिंह, डॉ हरिहरण आदि मौजूद थे.

मंगलवार, 16 सितम्बर 2014

हिन्दुस्तान 18

रोबोटिक से मिलेगा लोगों को लाभ

रांची | संवाददाता

रोबोटिक से अगले दशक में लोगों को काफी लाभ होगा। रोबोटिक से कारखाने के स्वचालन, सर्जरी से लेकर वाहन तक को सुरक्षा पहुंचाई जा सकती है। यह कहना है इक्फाई विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव का। वह सोमवार को विवि में आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। सेमिनार का विषय था- रोबोटिक एप्लीकेशन एवं चुनौतियां। इस मौके पर विवि में रोबोटिक्स केन्द्र का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सीएमइआरआई के डॉ डीएसएम सोम ने कहा कि सीएमइआरआई में रोबोटिक्स पर कई डिजाइन किए गए हैं। भविष्य में रोबोटिक खेती और बुजुर्गों की देखभाल में भी उपयोगी होगा। बीआइटी मेसरा के डॉ राजीव अग्रवाल ने रोबोटिक की उपलब्धता पर प्रकाश डाला। रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ एए खान ने कहा कि रोबोट प्रौद्योगिकी का उपयोग मानव जाति के लाभ के लिए किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में एमके सक्सेना, आरपी शर्मा, डॉ बीएम सिंह, डॉ हरिहर और अमर गुप्ता सहित रोबोटिक्स के विशेषज्ञ व अन्य मौजूद थे।

सोमवार को इक्फाई विवि में आयोजित सेमिनार में अपनी बात रखते वीसी।

रोबोटिक से जीवनशैली प्रभावित : राव

इक्फाई विवि में रोबोटिक्स एप्लीकेशन एवं चुनौतियां विषयक पर हुआ सेमिनार

डीबी स्टार » रांची

रांची रेलवे स्टेशन पर जीआरपी खुद हरमू रोड़ स्थित इक्फाई विश्वविद्यालय में सोमवार को इंजीनियरिंग दिवस(भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया के 154वें जन्मदिवस) के अवसर पर रोबोटिक केंद्र का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर विवि प्रबंधन द्वारा रोबोटिक्स एप्लीकेशन एवं चुनौतियां विषयक सेमिनार का आयोजन किया गया। विवि के कुलपति प्रो. ओ.आर.एस. राव ने कहा कि रोबोटिक अगले दशक में बड़े पैमाने पर जीवन शैली को प्रभावित करेगा। यह पांच डिजिटल बलों में से एक है। इससे कारखाना स्वचालन से लेकर, अस्पतालों में सर्जरी, सुरक्षा व रक्षा और वाहन में मानव रहित सुरक्षा प्रदान कराई जा सकती है।

सीएमईआरआई के प्रमुख डॉ. डी.एन. सोम ने कहा कि अबतक कई रोबोटिक्स डिजाइन किए गए है, जो टाटा स्टील, न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन व भारतीय नेवी आदि के लिए उपयोगी है। आगे चलकर रोबोटिक्स खेती में, बुजुर्गों और विकलांगों की देखभाल में तथा कम जटिल सर्जरी में काफी मदद करेगा। बीआईटी मेसरा के डॉ. राजीव अग्रवाल ने बढ़ते हुए एप्लीकेशन जैसे इंटरनेट उपलब्धता आदि पर रोबोटिक्स की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। रांची विवि के पूर्व कुलपति सह सदस्य बोर्ड ऑफ गर्वनर इक्फाई विवि डॉ. एए खान व डॉ केके नाग ने रोबोट प्रौद्योगिकी मानव जाति के लाभ के लिए ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। एसएलईए के अध्यक्ष एके सक्सेना, सीआईटी के निदेशक डॉ. आरपी शर्मा, विवि के रजिस्ट्रार डॉ. बीएम सिंह, सलाहकार डॉ. हरिहरण सहित रोबोटिक्स के विशेषज्ञ फैकल्टी मेंबर्स सहित कई छात्रों ने अपने विचार सेमिनार में रखे।

रोबोटिक केंद्र का निरीक्षण करते अतिथिगण।

रोबोटिक केंद्र की हुई स्थापना

कार्यक्रम के दौरान विवि में रोबोटिक्स केंद्र की स्थापना की गई। चार बी.टेक. के विद्यार्थियों ने रोबोट डिजाइन कर प्रस्तुत किया, जिसने एम. विश्वेश्वरैया के फोटो पर फूल बरसाएं। कई उद्योगों के विशेषज्ञ, शोधकर्ता, शिक्षाविद कार्यक्रम में शामिल हुए और अपना पेपर प्रस्तुत किया।

'Robotics set to impact lifestyle in next decade'

RANCHI: ICFAI University organised a national seminar on 'Robotics: Applications and Challenges' on the eve of Engineers' Day celebration in the state capital on Monday. The event was organised to mark the 154th birth anniversary of Bharat Ratna Sir M Visweswarayya.

Several industry experts, researchers, academicians, students were present at the event. A Robotics Centre was also inaugurated on the occasion.

Vice-chancellor ORS Rao said robotics was one of the five digital forces that would impact the lifestyle of people in the next decade.

"Though robotics applications ranging from factory automation, surgeries in hospitals, unmanned vehicles in security and defence are beneficial, it is equally important to analyse the harmful effects on society and take actions in advance," Rao said.

Head of Robotics at CMERI, Durgapur SN Shome said the robots were designed by CMERI for various applications in Tata Steel, Nuclear Power Corporation, Indian Navy etc.

HTC

ROBOTICS CENTRE UNVEILED AT ICFAI VARSITY

A Robotics Centre was inaugurated at ICFAI University on Monday. Four BTech students of the university designed a Robot to offer flowers to the photo of late M Visweswarayya, a great engineer. The effort was appreciated by all the speakers who participated in a National Seminar on 'Robotics: Application and Challenges' organised on the eve of Engineers Day.

ICFAI University organizes national seminar on Robotics

Ranchi: ICFAI University, Jharkhand conducted a national seminar on "Robotics: Applications and Challenges", on the eve of Engineers Day celebration here on Monday. On the occasion, Robotics Centre of the University was also inaugurated. Prof ORS Rao, Vice Chancellor of the University said "Robotics is one of the five Digital Forces that will impact the world and life styles of people in a big way in the next decade. Though Robotics applications ranging from factory automation, surgeries in hospitals, unmanned vehicles in security and defence are beneficial, it is equally important to analyze the harmful effects on society and take actions in advance."A number of industry experts, researchers, academicians, students participated in the seminar and presented papers. Four BTech students of the University designed a Robot to offer flowers to the photo of late M Visweswarayya, which was appreciated by all the participants. Addressing the participants as Key Note Speaker, Dr SN Shome, Head, Robotics at CMERI, Durgapur explained the various types of Robots designed by CMERI for a variety of applications in Tata Steel, Nuclear Power Corporation, Indian Navy etc. "Future applications in India will be in agriculture, care of elderly and handicapped people and low invasive surgery ", added Dr Shome. Speaking on the research on applications on Robotics, Dr Rajeev Agrawal from BIT,Mesra highlighted emerging applications like providing internet anywhere in the world by FaceBook Drones, embedding emotions through Humanoids , surveillance through Nano Hummingbird.

खबर मन्त्र
4 रांची.मंगलवार, 16 सितंबर. 2014
web www.khabarmantra.com

इक्फाइ विश्वविद्यालय में रोबोटिक केंद्र की स्थापना

सिटी रिपोर्टर

रांची। इक्फाई विवि में विश्वेश्वरैया की 154वीं जयंती इंजीनियर्स डे के रूप में मनायी गयी। 'रोबोटिक्स एप्लीकेशन एवं चुनौतियां' पर सेमिनार भी हुआ। इसमें उद्योग जगत के विशेषज्ञ, शोधकर्ता, शिक्षाविद् ने शोध के पेपर प्रस्तुत किये। विवि में रोबोटिक्स केंद्र की स्थापना भी हुई। बीटेक विभाग के चार छात्रों ने रोबोट का डिजाइन किया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एफएसटी के एसोसिएट डीन प्रो मदन प्रसाद, इक्फाई विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव, सीएमइआरआइ के प्रमुख डॉ डीएम सोम, बीआइटी मेसरा के डॉ राजीव अग्रवाल, रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ एए खान, डॉ केके नाग, रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह, डॉ हरिहरण व सीएलइए के अध्यक्ष एके सक्सेना ने शिरकत की। अतिथियों ने रोबोट प्रौद्योगिकी का मानव जाति के लाभ के लिए इस्तेमाल, एप्लीकेशन और चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

इक्फाइ में विद्यार्थियों को संबोधित करते अतिथि।

रांची एक्सप्रेस
रांची, मंगलवार 16 सितम्बर 2014
3 राजधानी

इक्फाई में रोबोटिक केन्द्र का उद्घाटन

रांची, 15 सितम्बर (रां.ए.सं.) : इक्फाई विवि झारखंड में आज रोबोटिक सेन्टर का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर रोबोटिक : कार्य और चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का भी आयोजन हुआ। अभियंता दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के चार बीटेक छात्रों द्वारा बनाए गए रोबोट भी पेश किये गए। सीएमइआरआई दुर्गापुर के प्रमुख डा. एसएन सोम ने रोबोट निर्माण के विभिन्न प्रकार और इसकी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर इक्फाई के कुलपति प्रो. ओआरएस राव, एसोसीएट डीन (एफएसटी) प्रो. मदन प्रसाद, रांची विवि के पूर्व कुलपति प्रो. ए.ए. खान, डा. के.के. नाग, एसएलइए के अध्यक्ष एके सक्सेना, सीआईटी के निदेशक आर पी शर्मा सहित डा. हरि हरन, बीआईटी के डा. राजीव अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किये।

पुस्तक लोकार्पण करते विशिष्टजन। छाया : आसिफ

सन्मार्ग
रांची, मंगलवार, 16 सितंबर 2014
www.sanmargjharkhand.com
04

रोबोटिक्स केंद्र का उद्घाटन

रांची : अशोक नगर स्थित ईक्फाई विवि में सोमवार को इंजीनियर दिवस के अवसर पर विवि प्रांगण में 'रोबोटिक्स एप्लीकेशन एवं चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। साथ ही, विवि में रोबोटिक्स केंद्र की स्थापना भी की गई। संस्थान के बीटेक के चार विद्यार्थी इस मौके पर स्वनिर्मित रोबोर्ट भी पेश किये। इन विद्यार्थियों में गौरव कुमार, दलेश्वर कुमार, राहुल कुमार और सोनल कुमार राव शामिल हैं। इस अवसर पर सभी ने इस मॉडल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। संस्थान के एसोसिएट डीन प्रो. मदन प्रसाद ने कहा कि रोबोटिक बहुअनुशासित क्षेत्र है जिसकी उपयोगिता काफी क्षेत्रों में है। कुलपति प्रो. ओ एस राव ने कहा कि यह रोबोटिक केंद्र अगले दशक में बड़े पैमाने पर जीवनशैली को प्रभावित करेगा। इससे कारखान स्वचालन से लेकर,अस्पतालों में सर्जरी,सुरक्षा एवं वाहन में मानव रहित सुरक्षा प्रदान कराई जा सकती है।

इक्फाई विवि में रोबोटिक केन्द्र का उद्घाटन

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में सोमवार को अभियंता दिवस मनाया गया। विश्वविख्यात अभियंता भारत रत्न एम विश्वेश्वरैया के 154 वें जन्मदिन के अवसर पर विवि के सभागार में रोबोटिक्स एप्लीकेशन एवं चुनौतियां विषय पर सेमिनार का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवि में रोबिटिक्स केन्द्र की स्थापना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रो. मदन प्रसाद ने कहा कि रोबोटिक बहुत ही अनुशासनिक क्षेत्र है, जिसकी उपयोगिता काफी क्षेत्रों में है। इक्फाई के कुलपति डा. प्रो.ओआर एस राव ने कहा कि रोबोटिक अगले दशक में बड़े पैमाने पर जीवन शैली को प्रभावित करेगा । प्रो. राव ने कहा कि यह रोबोटिक पांच डिजीटल बलों में से एक है। इससे कारखाना स्वचालन से लेकर अस्पतालों में सर्जरी, सुरक्षा तथा वाहन में मानव रहित सुरक्षा प्रदान कराई जा सकती है। मौके पर उपस्थित डॉ डीएन सोम ने कहा कि सीएमईआरआई के द्वारा काफी सारे रोबोटिक्स डिजाइन किए गए हैं जो कि स्टील, न्यूक्लिर पावर, भारतीय नेवी के लिए उपयोगी है। बीआईटी के प्रो. राजीव अग्रवाल ने कहा बढ़ते हुए एप्लीकेशन इंटरनेट उपलब्धता आदि पर रोबोटिक्स की उपयोगित पर प्रकाश डाला। रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ एए खान और डॉ केके नाग ने कहा कि रोबोट प्रोद्यौगिकी मानव जाति के लाभ के लिए इस्तेमाल होना चाहिए। कार्यक्रम में एके सक्सेना,डॉ आरपी शर्मा, इक्फाई के कुलसचिव डॉ बीएम सिंह, डॉ हरिहरण ने भी रोबोटिक्स के विशेषता के बारे में बताया। कार्यक्रम में विवि के शिक्षक और छात्रों ने भी अपनी बात रखी।